

ਸ੍ਰ
ਸ੍ਰ ਪ੍ਰਮਾਤਮਾ

੩

ਸ੍ਰੀ ਮਾਤਾ ਜੀ

1.245

ASHA ARCHIVES

॥ ग. म. ग. ॥

ॐ नमो ग्रीरगव ल्पयार्थे ग म प ह द पा ये ॥ ॥ नवं मया गृह
म कर्मिं स म प र ग वानः जा गृ गृ ह वि ह र ति स्म ॥ गृ ह्नु कृ ट प र्व
त म ह तारि कृ सं ध न सा ह म र्द्ध त्वा द गारि कृ गतेः सर्व ह ले ऽव वाधि ॥ १ ॥
स लेः स ह स लेः ॥ ग न ख ल्प नः स म प र ग वाना मू ष्मा मा न न्द मा
मं तु प स्म ॥ य क शि व न न्दः ॥ मा नि त न प ति ह द पा नि धा य मि ष्यं ति ।

॥ वा व पि ष्य तिः प र्यो वा ष्यं ति ॥ न ह्यं च स र्व का र्यो भि सि ष्ठा नि र वि ष्यः
ति ॥ न य ॥ ॐ नमो मुनः स ह ग म प न य स्वा हा ॥ ॐ गः गः गः गः गः गः
गः गः ॐ गं ग म प न य स्वा हा ॥ ॐ ग म वि प न य स्वा हा ॥ ॐ ग म वि वा प स्वा
हा ॥ ॐ ग म प ति पू जि ता य स्वा हा ॥ ॐ कं २ म २ द २ वि द २ ह न २ गृ ह्नु
धा व २ गृ ह्नु २ स्मृ २ मा ह २ द हि २ दा प य २ ध ना दि सि ष्ठि म प्र प ण्क ॥ ॐ न

४

॥ गुरुभग ॥

मोमुतमहाचंद्रवचनामस्तु ॥ ॐ अमुतविन्दुतिक्तुनविन्दुमस्तु समागच्छ
तिःमहर्षयपराक्रमःमहाहस्तिदक्षिणीप्रप्रमोददापयच्छः ॥ ॐ न
मोमुतमहागभपतमस्तु ॥ ॐ गः गः गः गः गः गः गः गः ॥ ॐ गं गं गं
पतमस्तु ॥ ॐ गभधिवतमस्तु ॥ ॐ गभधिवतमस्तु ॥ ॐ गभधिवतमस्तु
पूजितामस्तु ॥ ॐ कुरु २ स्था ॥ ॐ सु २ स्था ॥ ॐ सु २ स्था ॥ ॐ सु २ स्था

॥ २ ॥

रिक्तुवा २

स्वाहा ॥ ॐ नमो नमो ॥ स्वाहा ॥ ॐ नमो मुतमहागभपतमस्तु ॥ ॐ दमा
नंदुगभपतिहृदयंमः कश्चिन्कुलपूजावाक्कुलदुहितावोरिक्तुभीवाः ५
पासकीवाः ५ पासिकावायः ॥ कश्चिन्कुलपूजावाक्कुलदुहितावोरिक्तुभीवाः ५
पल्लपूजितावाः ५ अकुलगमनंवा अकुलानंवा ननवृक्षानां रग
वनः पूजाकुलाश्रम्यगभपतिहृदयं सफवाचान् श्रीप्रितव्यं

५

॥ ग. म. ग. ॥

तस्य का प्रोभि सिद्धि ना ना न संस पः सर्व का प्रोभि सक वि क व ह
दिव्य उ व ल वि ग्र ह वि वा द बु नि य स म च मि त व्यं सर्वः प्र स म न ग
कृ नि दि न २ का लः सु क्ता यः स फ वा चान् र्चा च मि त व्यं ॥ म हा हो रा य ॥ ३ ॥
ः र वि ष्य नि ॥ च ग कू ल ग म म का ल म हा प्र सा दा र वि ष्य नि ॥ गृ नि ध
च र वि ष्य नि ॥ न चा स्य का म म हा वा यि प्रा र वि ष्य नि ॥ न क रि ष्य द व ता

यं क रि ष्य ती स्म व ता च ल प्य न् ॥ र ग व तां च ल प्य न् ॥ न चा स्य वा यि
वि त्ता सा च चा प्रा र वि ष्य नि ॥ जा नो जा नो जा नि स्म चा र वि ष्य नि ॥ ॥
द स चो च ह ग वा नो र्नु स ना स्तु व रि कू वा स्तु च वा यि स स्तो सा च स
र्वा व ती प रित स द व मा नू बा स्तु च ग श्च र्वा स्तु ला को र ग व ता रा रि व
त स नू न न्द ॥ ॥ नृ नि आ प्रो ग म प ति ह द मा ना म चो च र्वा स्तु ॥

५

॥ गुरु ॥

साफं ॥ ॥ गुरुं ॥ ॥ ॥ अर्धमैः हनुप्रतवा हनुप्रतवा
तथा गत हवद न वाचं आनि वाध प्रवं वादी स हा प्रवक्षः ॥ ॥
प्रदि गुरु अगुरु वा स स दाष न दि प्रत गुरु — ॥ ॥ ॥
॥ ति संस्य ॥ १०५६ ॥ आ गतः कुल वीथि सं गत वा यथा ब्रह्म
आतु आन वा हा ल स चा म सुध सैव तु नं वा प्रा श ल गुरु ॥ ॥

॥ ५ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ASHA ARCHIVES
1.245